

Santoshi Mata Aarti Lyrics in Hindi English

Santoshi Mata Aarti Lyrics in Hindi

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ।
अपने सेवक जन की,
सुख सम्पति दाता ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

सुन्दर चीर सुनहरी,
मां धारण कीन्हो ।
हीरा पन्ना दमके,
तन श्रृंगार लीन्हो ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

गेरू लाल छटा छवि,
बदन कमल सोहे ।
मंद हंसत करुणामयी,
त्रिभुवन जन मोहे ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

स्वर्ण सिंहासन बैठी,
चंवर दुरे प्यारे ।
धूप, दीप, मधु, मेवा,
भोज धरे न्यारे ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

गुड़ अरु चना परम प्रिय,
तामें संतोष कियो ।
संतोषी कहलाई,
भक्तन वैभव दियो ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

शुक्रवार प्रिय मानत,
आज दिवस सोही ।
भक्त मंडली छाई,
कथा सुनत मोही ॥

जय सन्तोषी माता,

मैया जय सन्तोषी माता ॥

मंदिर जग मग ज्योति,
मंगल ध्वनि छाई ।
विनय करें हम सेवक,
चरनन सिर नाई ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

भक्ति भावमय पूजा,
अंगीकृत कीजै ।
जो मन बसे हमारे,
इच्छित फल दीजै ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

दुखी दारिद्री रोगी,
संकट मुक्त किए ।
बहु धन धान्य भरे घर,
सुख सौभाग्य दिए ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

ध्यान धरे जो तेरा,
वांछित फल पायो ।
पूजा कथा श्रवण कर,
घर आनन्द आयो ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

चरण गहे की लज्जा,
रखियो जगदम्बे ।
संकट तू ही निवारे,
दयामयी अम्बे ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ॥

सन्तोषी माता की आरती,
जो कोई जन गावे ।
रिद्धि सिद्धि सुख सम्पति,
जी भर के पावे ॥

जय सन्तोषी माता,
मैया जय सन्तोषी माता ।
अपने सेवक जन की,
सुख सम्पति दाता ॥

Santoshi Mata Aarti Lyrics in English

Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.
Apne Sevak Jan Ki,
Sukh Sampatti Data.

Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.

Sundar Cheer Sunahari,
Maa Dhaaran Kinho.
Heera Panna Damke,
Tan Shringar Leenho.

Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.

Geru Laal Chhata Chhabi,
Badan Kamal Sohe.
Mand Hansat Karunamayi,
Tribhuvan Jan Mohe.

Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.

Swarn Sinhasan Baithi,
Chhavar Dure Pyaare.
Dhoop, Deep, Madhu, Meva,
Bhoj Dhare Nyare.

Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.

Gud Aru Chana Param Priya,
Tamein Santoshi Kiyo.
Santoshi Kahlaayi,
Bhaktan Vaibhav Diyo.

Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.

Shukrawar Priya Maanat,
Aaj Divas Sohee.
Bhakt Mandali Chhaayi,
Katha Sunat Mohee.

Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.

Mandir Jag Mag Jyoti,
Mangal Dhvani Chhaayi.
Vinay Karein Hum Sevak,

Charanan Sir Naayi.

Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.

Bhakti Bhavmay Pooja,
Aangeekrit Keejai.
Jo Man Base Hamare,
Ichhit Phal Deejiye.

Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.

Dukhi Daridri Rogi,
Sankat Mukht Kiye.
Bahu Dhan Dhaanay Bhare Ghar,
Sukh Saubhagya Diye.

Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.

Dhyaan Dhare Jo Tera,
Vaanchhit Phal Payo.
Pooja Katha Shravan Kar,
Ghar Anand Aayo.

Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.

Charan Gahe Ki Lajja,
Rakhiyo Jagdambe.
Sankat Tu Hi Nivaare,
Dayamayi Ambe.

Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.

Santoshi Mata Ki Aarti,
Jo Koi Jan Gaave.
Riddhi Siddhi Sukh Sampatti,
Je Bhar Ke Paave.

Jai Santoshi Mata,
Maiya Jai Santoshi Mata.
Apne Sevak Jan Ki,
Sukh Sampatti Data.

About Santoshi Mata Aarti in English

“Santoshi Mata Aarti” is a devotional hymn dedicated to Goddess Santoshi, the deity of satisfaction and contentment. This aarti praises her divine qualities and calls upon her blessings for the well-being and prosperity of her devotees. Goddess Santoshi is known for granting peace, happiness, and fulfilling the desires of those who worship her with pure devotion. The hymn begins by

acknowledging her as the provider of all happiness and material wealth, highlighting her ability to bring success and alleviate hardships.

The aarti describes the beautiful form of the goddess, adorned with golden attire and a radiant face, symbolizing her power and grace. Her compassionate nature is also mentioned, emphasizing how she blesses her devotees with strength and spiritual growth. The song also reflects on her role in removing obstacles and granting peace to those who seek her blessings.

Through the aarti, devotees express their deep devotion to the goddess, asking for her help in overcoming difficulties and achieving contentment in life. The aarti praises her for resolving both material and emotional struggles, making her a revered figure for those facing tough times. Singing the “Santoshi Mata Aarti” is believed to bring peace, prosperity, and success into the lives of the devotees, fostering a sense of fulfillment and happiness.

About Santoshi Mata Aarti in Hindi

“संतोषी माता की आरती” देवी संतोषी को समर्पित एक महत्वपूर्ण भक्ति गीत है। देवी संतोषी को संतोष और सुख की देवी माना जाता है, जो अपने भक्तों को मानसिक शांति, समृद्धि और संतुष्टि प्रदान करती हैं। यह आरती देवी संतोषी की कृपा और आशीर्वाद की प्रार्थना करती है, ताकि भक्तों के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का वास हो।

इस आरती में देवी संतोषी के रूप और गुणों का वर्णन किया गया है। उन्हें स्वर्ण आभूषणों से सुसज्जित, खूबसूरत और करुणामयी रूप में पूजा जाता है। उनके मृदुल चेहरा और संतोषपूर्ण ऊर्जा का उल्लेख किया गया है, जो भक्तों के मन को शांति और संतुष्टि प्रदान करती है।

आरती में यह भी बताया गया है कि देवी संतोषी अपने भक्तों की सभी इच्छाओं को पूर्ण करती हैं और उन्हें हर प्रकार के संकट से उबारती हैं। वे अपने भक्तों के जीवन में सुख, संपत्ति और समृद्धि लाती हैं। इस आरती का गायन भक्तों को मानसिक शांति, धन-संपत्ति और सुख-शांति की प्राप्ति का मार्ग दिखाता है। यह देवी संतोषी की कृपा प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण साधन है।